मध्य प्रदेश पुष्प उत्पादन में तीसरे स्थान पर

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश पुष्पोत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश का **तीसरा सबसे बड़ा फूल उत्पादक राज्य** बन गया है।

मुख्य बिंदु

मध्य प्रदेश के पुष्पोत्पादन क्षेत्र के बारे में:

- **बढ़ता क्षेत्र और उत्पादन:**
  - वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश में 42,978 हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती की गई, जिससे 5.12 लाख मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उत्पादन प्राप्त हुआ।
  - पुष्पोत्पादन क्षेत्रफल वर्ष 2021-22 के 37,647 हेक्टेयर से बढ़कर 42,976 हेक्टेयर हो गया, वहीं उत्पादन में 86,294 टन की वृद्धि दर्ज की गई।
- **उत्पादकता:**
  - राज्य की प्रति हेक्टेयर पुष्प उत्पादकता 15.01 मीट्रिक टन है, जो पुष्पकृषि उद्योग में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है।
- **प्रमुख पुष्प और किस्में:**
  - **प्राथमिक पुष्प:** गेंदा, गुलाब, गुलदाउदी, ग्लैडियोलस, **रजनीगंधा** तथा औषधीय पुष्प जैसे **ईसबगोल,** अश्वगंधा और **सफेद मूसली**।
  - **गेंदा:** सबसे बड़े क्षेत्र में उगाया जाने वाला पुष्प, जिसका क्षेत्रफल 24,214 हेक्टेयर है।
  - **गुलाब:** लगभग 4,502 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादित।
  - **अन्य किस्में:** गुलदाउदी (1,709 हेक्टेयर), ग्लैडियोलस (1,058 हेक्टेयर), ट्यूबरोज़ (263 हेक्टेयर) तथा अन्य विविध किस्में 11,227 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती हैं।
- **सरकारी पहल और निवेश:**
  - **राज्य तथा केंद्र सरकारें** विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पुष्पोत्पादन को प्रोत्साहित कर रही हैं, जिसका उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना तथा कृषि को लाभकारी बनाना है।
  - **छोटी जोत (1–3 एकड़)** वाले किसान भी फूलों की खेती से लाभान्वित हो रहे हैं।
  - राज्य का बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, फूलों की **गुणवत्ता सुधार**, **प्रशिक्षण** एवं **विपणन पहलों** को सशक्त बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।
  - वर्ष 2024-25 में, फूलों की खेती में 5,329 हेक्टेयर का विस्तार देखा गया, जिसमें सरकारी पहलों ने इस वृद्धि में 33% से अधिक की सहायता की।
  - **तकनीकी प्रशिक्षण और उच्च तकनीक नर्सरियाँ** जैसी पहलें इस क्षेत्र के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।
    - इस क्षेत्र को और आगे बढ़ाने के लिये **ग्वालियर** में 13 करोड़ रुपए की लागत से केंद्र समर्थित **हाई-टेक पुष्पोत्पादन नर्सरी** विकसित की जा रही है।
- **बाज़ार विस्तार:**
  - **घरेलू मांग:** मध्य प्रदेश में उत्पादित फूलों की जयपुर, दिल्ली तथा मुंबई जैसे महानगरों में उच्च मांग है।
  - **अंतर्राष्ट्रीय पहुँच:** गुना ज़िले के गुलाब अब पेरिस और लंदन जैसे वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच बना रहे हैं।
- **महत्त्व:**
  - अनुकूल जलवायु, उन्नत सिंचाई सुविधाएँ तथा सरकारी समर्थन में निरंतर वृद्धि के साथ मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय **पुष्पोत्पादन** परिदृश्य में **अग्रणी राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है**, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और भारत के कृषि विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

पुष्पोत्पादन के बारे में

- **भारत सरकार** ने **पुष्पोत्पादन** को एक **उभरते हुए उद्योग** के रूप में चिह्नित किया है तथा इसे **100% निर्यातोन्मुख दर्जा** प्रदान किया गया है।
  - एक **उभरता हुआ उद्योग** वह क्षेत्र होता है जो अपनी प्रारंभिक अवस्था में होता है परंतु उसमें भविष्य में **तेज़ी से विस्तार** और **अर्थव्यवस्था पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव** डालने की प्रबल संभावना होती है।

- यह पाया गया है कि वाणिज्यिक पुष्पोत्पादन में प्रति इकाई क्षेत्रफल पर अन्य अधिकांश फसलों की तुलना में अधिक लाभ की संभावना होती है, जिससे यह एक **लाभदायक व्यवसाय** के रूप में उभर रही है।
- उदारीकृत अर्थव्यवस्था के प्रभाव से **भारतीय उद्यमियों** को **नियंत्रित जलवायु परिस्थितियों** में निर्यातोन्मुख पुष्पकृषि इकाइयों की स्थापना हेतु प्रोत्साहन मिला है।
- **कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** भारत में **पुष्पोत्पादन** के निर्यात संवर्द्धन एवं विकास हेतु **नोडल एजेंसी** है।

- **किस्में:**
  - इनमें मुख्यतः कटे हुए फूल, गमले के पौधे, कटी हुई पत्तियाँ, बीज, बल्ब, कंद, जड़युक्त कलमें और सूखे फूल या पत्तियाँ शामिल होती हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय कटा हुआ फूल व्यापार में प्रमुख पुष्प फसलें हैं- गुलाब, कार्नेशन, गुलदाउदी, गेरबेरा, ग्लैडियोलस, जिप्सोफिला, लिआट्रिस, नेरिन, ऑर्किड, आर्किलिया, एंथुरियम, ट्यूलिप और लिली।
  - **गेरबेरा, कार्नेशन** जैसी पुष्पीय फसलें **ग्रीनहाउस** में उगाई जाती हैं, जबकि **गुलदाउदी, गुलाब, गैलार्डिया, लिली, मैरीगोल्ड, एस्टर** तथा **ट्यूबरोज़** जैसी फसलें **खुले खेतों** में उगाई जाती हैं।
- **उत्पादन क्षेत्र:**
  - तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, असम और महाराष्ट्र पुष्पकृषि के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे हैं।
- **भारत: तथ्य और आँकड़ें:**
  - **आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25** के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 2,97,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पुष्पकृषि की गई, जिससे अनुमानित 22,84,000 टन खुले फूल तथा 9,47,000 टन कटे हुए फूलों का उत्पादन हुआ।
  - इसी अवधि में भारत ने **19,678 मीट्रिक टन** पुष्पकृषि उत्पादों का निर्यात कर **717.83 करोड़ रुपए** की आय अर्जित की।
- **प्रमुख निर्यात गंतव्य (2023-24):**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, कनाडा और मलेशिया प्रमुख निर्यात बाज़ार रहे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-ranks-3rd-in-flower-production